Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न–पत्र : प्रथम
काव्यशास्त्र का इतिहास

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. काव्य शास्त्र के इतिहास में आचार्य मम्मट के योगदान तथा काव्य हेतु को प्रस्तुत करें।
2. नाट्यशास्त्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. अलङ्कार सम्प्रदाय को समझाते हुए साहित्य में इसके महत्व को लिखिए।
4. "अपारे काव्यसंसारे कविरेव प्रजापतिः" की विस्तृत व्याख्या करें।
5. ध्वनिसिद्धान्त **अथवा** रस सिद्धान्त पर एक निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. काव्य का लक्षण लिखिए। उदाहरण भी प्रस्तुत करें।
7. गद्यकाव्य परम्परा को समझाइये।
8. "वाणी बाणो बभूव ह" को स्पष्ट करें।
9. पं राजजगन्नाथ कृत काव्य पर अपने विचार प्रस्तुत करें।
10. आचार्यविश्वनाथ के अनुसार रस किसे कहते है?
11. "रसो वै सः" की व्याख्या करें।
12. "काव्यालंकार" पर प्रकाश डालिए।

----------X----------